ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 16 अंक-4 मई-II, 2015 पाक्षिक माउण्ट आबू ‘8.00

महिला सशक्तिकरण से ही महिलाओं को बराबर अधिकार-कुमार मंगलम

ओ.आर.सी.। महिला प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. चक्रधारी डायलॉग में आई हुई महिलाओं को सम्बोधित करते हुए।

ओ.आर.सी.-गुड़गांव। ‘बच्चों के अन्दर आध्यात्मिक मूल्यों का समावेश बहुत ज़रूरी है। बचपन से उनका जीवन जितना सशक्त होगा उतना ही वो सभी का सम्मान करेंगे। वर्तमान में महिलाओं के साथ जिस प्रकार का व्यवहार हो रहा है, उसका कारण नैतिक एवं चारित्रिक पतन है।’

उक्त विचार बाल विकास एवं महिला कल्याण मंत्री माननीय संदीप कुमार ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित ‘डायलॉग फोर वीमेन लीडर्स’ कार्यक्रम में ‘स्ट्रेन्थिनिंग द फाउंडेशन ऑफ कैरेक्टर टू रिस्टोर रेस्पेक्ट एंड ऑनर ऑफ वीमेन’ विषय पर व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि परिवार व स्कूली स्तर से ही हमें बच्चों में एक-दूसरे के प्रति सम्मान, आदर व प्रेम भाव को विकसित करना होगा।

श्रीमती वन्दना कुमारी, डिप्युटी स्पीकर विधानसभा दिल्ली ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज महिलाओं की जो दशा है उसके लिए हम सभी ज़िम्मेवार हैं, हम सबको ही महिलाओं से जुड़ी हुई समस्याओं को हल करने की ज़िम्मेवारी लेनी होगी।

जस्टिस ईश्वरैया,चेयरमैन नेशनल कमीशन फॉर बैकवर्ड क्लासेस ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज सभी को आध्यात्मिकता को एक वैज्ञानिक ढंग से समझने की आवश्यकता है, जिससे कि हम नकारात्मक से सकारात्मक दृष्टिकोण अपना सकें। हमारे अन्दर जितनी सकारात्मक ऊर्जा होगी उतना ही समाज में श्रेष्ठ परिवर्तन होगा।

ललिता कुमार मंगलम,अध्यक्ष राष्ट्रीय महिला आयोग ने कहा कि आध्यात्मिक सशक्तिकरण से ही महिलाओं को समान अधिकारों की प्राप्ति हो सकती है। उन्होंने कहा कि हमारी शिक्षा में नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा का होना बहुत ज़रूरी है।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित ‘डायलॉग फोर वीमेन लीडर्स’

आध्यात्मिकता से ही हमारी आंतरिक शक्तियों का विकास होता है। ब्र.कु. बृजमोहन,मुख्य सचिव ब्रह्माकुमारीज़ ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि वास्तव में हमारा मूल स्वरूप आत्मा है लेकिन आज मानव आत्मिक रूप से विस्मृत होने कारण शारीरिक स्वरूप को ही वास्तविक समझता है जिसके कारण ही आज महिलाओं के साथ व्यवहारिक स्तर पर अपराध हो रहे हैं।

ब्र.कु.आशा,ओ.आर.सी निदेशिका ने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा कि महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान का मुख्य सूत्र आध्यात्मिकता ही है। जितना हमें स्वयं की शक्तियों का बोध होता है उतना ही समस्यायें कम होने लगती हैं। राजयोग से हम स्वयं को पहचान कर परमात्म शक्ति से जुड़ते हैं। हम अन्दर से जितना ऊर्जावान होते हैं उतना ही हमारे आस-पास का वातावरण बदलने लगता है। आध्यात्मिक शक्ति हमें स्वयं का बोध कराती है जिसके कारण हमारे अन्दर करुणा, दया व प्रेम जैसे मूल्यों का संचार होता है।

इस कार्यक्रम में 100 से भी अधिक महिलाओं ने भाग लिया जिसमें राष्ट्रीय महिला आयोग सदस्य शमीमा शफ़ीक, सतर्कता आयोग के पूर्व आयुक्त रंजना कुमार, नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ जेण्डर की अध्यक्ष जस्टिस रूपा मित्रा चौधरी, ऑल इण्डिया वुमेन कॉन्फ्रेंस की वाईस प्रेज़ीडेन्ट कुलजीत कौर, स्पीकिंग ट्री के संपादक नारायण गणेश, नर्सेस वेलफेयर एसोसिएशन के पज़ीडेन्ट उषा कृष्णा आदि जानी मानी हस्तियां शामिल थीं।

आध्यात्मिकता द्वारा बढ़ती है मानसिक शक्ति- रिजिजू

मा.आबू-ज्ञानसरोवर। सशस्त्र बल के जवानों के लिए तनावमुक्त कार्यक्रम में बोले केन्द्रीय गृहमंत्री

‘कोई भी यदि कानून का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।’ उपर्युक्त बातें केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री किरण रिजिजू ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राज्य पुलिस और सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए आयोजित प्रेरणादायक नेतृत्व वार्ता को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि देश के हर नागरिक की प्रतिष्ठा की रक्षा करना ही सुरक्षा बलों की प्राथमिकता है। आध्यात्मिकता के ज़रिए मानसिक रूप से कार्य करने की क्षमता बढ़ती है जिससे विपरीत परिस्थितियों में भी लंबे समय तक कोई भी कार्य सुचारू रूप से करना संभव है। जनता को सेना के जवनों की परिस्थितियों को समझना चाहिए। जो विभिन्न त्योहारों पर अपने परिवार से दूर रहकर भी जनता की सुरक्षा, शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने में तत्पर रहते हैं। राजयोग से मन की आध्यात्मिक ऊर्जा जागृत होने से कार्य करने की क्षमता व आपसी सौहार्द की भावनाओं को बल मिलता है।

दायें से राज्य गृह मंत्री किरण रिजीजू दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए, साथ हैं दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु. शुक्ला, श्रीमती मीरा रामनिवास, ब्र.कु.अशोक गावा।

ब्रह्माकुमारीज़ संगठन की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि स्वयं को बुराइयों से सुरक्षित रखने की सबसे बड़ी चुनौती से निपटने के लिए अध्यात्म की गहराई में जाना अनिवार्य है। जब तक स्वयं को मन से सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित नहीं किया जाता तब तक बाहरी सुरक्षा की सफलता में भी कठिनतम चुनौतियों का सामना करने को विवश होना पड़ता है।

गुजरात सरकार की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्रीमती मीरा रामनिवास ने कहा कि आध्यात्मिक अंतरप्रेरणा से बड़े-बड़े कार्य भी सहज हो जाते हैं। कोई व्यक्ति स्वयं में सर्वगुण संपन्न नहीं हो सकता। इसीलिए वही व्यक्ति अपने क्षेत्र में बड़े कार्य को कुशलतापूर्वक करते हुए सफलता की सभी बुलंदियों को पार कर पाता है जो स्वयं को हर परिस्थितियों में जिज्ञासु की भूमिका में स्थापित करने का अभयस्त हो।

सुरक्षा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. शुक्ला ने कहा कि शान्ति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था को सुचारू बनाये जाने के अहम दायित्व को निभाने के लिए धैर्य, साहस व कुशलतापूर्वक निर्वहन करने की ज़रूरत होती है। प्रभाग के संयोजक ब्र.कु. अशोक गाबा ने कहा कि सुरक्षा व कर्त्तव्यों का निर्वहन कर देश को प्रगति के प्रथ पर आगे बढ़ाने में मनोबल की अहम ज़रूरत होती है। राजयोग का अभ्यास हर परिस्थिति में मन को सशक्त बनाए रखने में सक्षम है।

कर्नल बी.सी. सती व कर्नल शिव सिंह ने भी जीवनशैली में अध्यात्म के विभिन्न बिदुंओं का सहज रूप से समावेश करने पर प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम में केरिपुबल निदेशक पुलिस महानिरीक्षक बी.एस. चौहान, उपखंड अधिकारी एच. गुईटे, अतिरक्ति पुलिस अधीक्षक श्रीमती निर्मला विश्नोई, सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित थे।